

## सौ दिन में ही देश में 5700 मेगावाट अधिक बिजली राजस्थान में 830 मेगावाट बिजली अधिक बनेगी

जयपुर, 2 जून। केन्द्र में नई सरकार के गठन के साथ ही सौ दिन की कार्ययोजना के तहत विद्युत क्षेत्र में इस अवधि में नई इकाइयों से 5 हजार 700 मेगावाट बिजली अधिक बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना के अंतर्गत राजस्थान में 830 मेगावाट क्षमता की ताप बिजली परियोजनाओं में पूर्ण क्षमता से उत्पादन प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है।

यह निर्णय मंगलवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री राकेश नाथ की अध्यक्षता में एक बैठक में किया गया जिसमें भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री रविकुमार तथा राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक डा. एस.के.कल्ला सहित देश के सभी विद्युत उत्पादन निगमों के अध्यक्षों ने भाग लिया। यह बैठक नई केन्द्र सरकार के प्रथम 100 दिनों की कार्ययोजना के तहत विद्युत उत्पादन बढ़ाने की परियोजनाओं को गति देने के लिए आयोजित की गई थीं।

बैठक में भेल के अध्यक्ष इस बात पर सहमत हो गए कि राजस्थान में 250 मेगावाट की सूरतगढ और कोटा की 195 मेगावाट क्षमता की नई इकाइयों में जुलाई तथा 250 मेगावाट क्षमता की छबडा बिजलीघर की पहली इकाई में अगस्त माह से कोयले का उपयोग करते हुए पूर्ण क्षमता से उत्पादन प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त सौ दिन में बाडमेर जिले के जलीपा-कपूरडी में निजी कंपनी राज वेस्ट पावर की लिग्नाइट आधारित 135 मेगावाट क्षमता की पहली इकाई में भी बिजली उत्पादन प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रदेश की इन चारों इकाइयों में पूर्ण क्षमता से उत्पादन प्रारंभ होने से सौ दिन की अवधि में ही राजस्थान को 175 लाख यूनिट बिजली प्रतिदिन और मिलने लगेगी।

भेल के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक ने बैठक में आश्वस्त किया कि उपरोक्त नई इकाइयों में निर्धारित लक्ष्यावधि में व्यवसायिक उत्पादन शुरू करने के लिए क्षेत्रीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं कि लक्ष्य के अनुसार तेजी से काम किया जाये।

छबडा में ही निर्माणाधीन 250 मेगावाट की दूसरी इकाई को भी इसी वर्ष नवम्बर में सिन्क्रोनाइज कर दिसम्बर माह से पूर्ण क्षमता पर चलाने का लक्ष्य है। इसे मिलाकर इस वर्ष विद्युत उत्पादन निगम की चार नई इकाइयों में विद्युत उत्पादन शुरू हो जायेगा जिनकी कुल क्षमता 945 मेगावाट है।